नामांक Roll No.

No. of Questions – **28**

No. of Printed Pages – **8**

VU-21-Hindi Sah.

हिन्दी साहित्य

वरिष्ठ उपाध्याय परीक्षा, 2021

समय : 3¼ घण्टे

पूर्णांक : 80

परीक्षार्थियों के लिए सामान्य निर्देश :

GENERAL INSTRUCTION TO THE EXAMINEES :

(1) परीक्षार्थी सर्वप्रथम अपने प्रश्न–पत्र पर नामांक अनिवार्यतः लिखें ।

(2) सभी प्रश्न करने अनिवार्य हैं ।

(3) प्रत्येक प्रश्न का उत्तर दी गई उत्तर–पुस्तिका में ही लिखें ।

(4) जिन प्रश्नों में आन्तरिक खण्ड हैं उन सभी के उत्तर एक साथ ही लिखें ।

(5) प्रश्न का उत्तर लिखने से पूर्व प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें ।

(6) प्रश्नों का अंक भार निम्नानुसार है :

खण्ड	प्रश्नों की संख्या	अंक प्रत्येक प्रश्न	कुल अंक भार
खण्ड–अ (A)	1 (i से x) 2 से 11 = 20	1	20
खण्ड–ब (B)	12 से 19 = 8	2	16
खण्ड–स (C)	20 से 23 = 4	4	16
खण्ड–द (D)	24 से 25 = 2	5	10
खण्ड–य (E)	26 से 28 = 3	6	18

OFFICE COPY

खण्ड – अ (SECTION – A)

1. पूछे गए प्रश्नों के उत्तर का सही विकल्प चयन कर उत्तर-पुस्तिका में लिखिए : **1 × 10 = 10**

(i) अयोध्यासिंह उपाध्याय 'हरिऔध' किस युग के कवि हैं ?

(अ) भारतेन्दु युग (ब) द्विवेदी युग

(स) प्रगतिवाद (द) प्रयोगवाद

(ii) 'जयद्रथ वध' काव्य ग्रन्थ के रचनाकार हैं –

(अ) अम्बिका दत्त व्यास (ब) राधाकृष्ण दास

(स) रामनरेश त्रिपाठी (द) मैथिलीशरण गुप्त

(iii) 'शिवशम्भु के चिट्ठे' नामक रचना की विधा है –

(अ) निबंध (ब) जीवनी

(स) संस्मरण (द) यात्रावृत्त

(iv) 'नई कविता' का काल है –

(अ) 1943 से 1953 (ब) 1890 से 1937

(स) 1953 के बाद की कविता (द) 1858 के विद्रोह के बाद की कविता

OFFICE COPY

(v) निम्नलिखित में से भारतेन्दु हरिश्चन्द्र की रचना है –

(अ) विनय-प्रेम-पचासा (ब) प्रेम पचीसी

(स) विष्णुप्रिया (द) द्वापर

(vi) भारतेन्दु हरिश्चन्द्र काल की पत्रिका है –

(अ) सरस्वती (ब) कविवचन सुधा

(स) समालोचना (द) इन्दु

(vii) "हिमाद्रि – तुंग शृंग से प्रबुद्ध शुद्ध भारती ।

स्वयं-प्रभा समुज्ज्वला स्वतंत्रता पुकारती ।।"

उपर्युक्त काव्य पंक्तियों में काव्य का गुण है

(अ) प्रसाद गुण (ब) ओज गुण

(स) माधुर्य गुण (द) कारुण्य गुण

(viii) निम्नलिखित काव्य पंक्तियों में से किसमें व्यतिरेक अलंकार है ?

(अ) मुख आलोकित जग करै, कहौ चन्द केहि काम ।

(ब) बिनु पद चलै, सुने बिनु काना । कर बिनु कार्य करे विधि नाना ।

(स) अब अलि ! गुलाब में अपत कँटीली डार ।

(द) मुख मयंक-सो है सखी ! मधुर वचन सविशेष ।

(ix) दोहा और रोला छन्दों के मेल से बनने वाला छन्द है –

(अ) वंशस्थ (ब) कुण्डलिया

(स) हरिगीतिका (द) छप्पय

OFFICE COPY

(x) रोला और उल्लाला के मिलने से बनने वाला छंद है –

(अ) हरिगीतिका (ब) कुण्डलिया

(स) छप्पय (द) सवैया

प्रश्न संख्या 2 से 8 तक प्रश्नों के उत्तर एक पंक्ति में लिखिए : 1 × 7 = 7

2. प्रसाद गुण की परिभाषा लिखिए ।

3. अन्योक्ति अलंकार को परिभाषित कीजिए ।

4. हरिगीतिका छंद के प्रत्येक चरण में कितनी मात्राएँ होती हैं तथा कौन से छन्द में दो मात्राएँ जोड़ने पर यह छंद बनता है ?

5. लेखक ने 'शिरीष' के फूल को अवधूत क्यों कहा है ?

6. "मूरिष संग न कीजिए, लोहा जल न तिराइ ।" काव्य पंक्ति में कबीर का क्या आशय है ?

7. "विज्ञान न तो पूर्व का है न पश्चिम का ।" सर जगदीश चन्द्र बोस के कथन का आशय लिखिए ।

8. "भोर का तारा" एकांकी का कथानक किस वंश के शासक से सम्बन्धित है ?

रिक्त स्थान की पूर्ति करते हुए उत्तर दी गई उत्तर-पुस्तिका में लिखिए । **1 × 3 = 3**

9. ________ काव्य का वह गुण है जो चित्त को द्रवित कर उसे आहलादित कर देता है ।

10. जब स्वाभाविक उपमेय को उपमान और उपमान को उपमेय बना दिया जाता है, तब ________ होता है ।

11. जहाँ कार्य, लिंग या विशेषण की समानता के कारण प्रस्तुत से अप्रस्तुत अर्थ भी निकलता है, वहाँ ________ अलंकार होता है ।

OFFICE COPY

खण्ड – ब (SECTION – B)

प्रश्न संख्या **12** से **19** तक प्रश्नों के उत्तर लगभग **30** शब्दों में लिखिए : **2 × 8 = 16**

12. "यह पद पाकर अब मैं केवल उसकी दया के योग्य हो गया हूँ ।"
'गुल्ली-डंडा' कहानी के नायक ने ऐसा क्यों सोचा ?

13. "नियति के व्यंग्य से जीवन और संसार के छल से मृत्यु पाने वाला आलोपी ।" ऐसा महादेवी वर्मा ने क्यों कहा ?

14. "बिगरी बात बनै नहीं, लाख करै किन कोय ।" काव्य पंक्ति का भावार्थ स्पष्ट कीजिए ।

15. सच पूछो, तो शर में ही

बसती है दीप्ति विनय की,

उपर्युक्त काव्य पंक्तियों का आशय स्पष्ट कीजिए ।

16. 'मिठाईवाला' कहानी में नायक को स्वयं को विश्व से जोड़कर कैसे सन्तुष्टि प्राप्त होती है ?

17. जन के हृदय में किस सूत्र के अनुभव से राष्ट्रीयता की भावना का अंकुर पैदा होता है ?

18. स्वामी विवेकानंद के साहित्य को पढ़कर किसके मन का नैतिक असमंजस समाप्त हो गया और क्यों ?

19. परमहंस योगानंद की आत्मकथा 'योगी कथामृत' के आत्मकथांश का मूल स्वर क्या है ?

खण्ड – स (SECTION – C)

OFFICE COPY

प्रश्न संख्या **20** से **23** तक प्रश्नों के उत्तर लगभग **60** शब्दों में लिखिए : **4 × 4 = 16**

20. भारतेन्दु काल का सीमांकन करते हुए उस काल के प्रमुख कवियों का परिचय लिखिए ।

अथवा

द्विवेदी युग को सुधार काल क्यों कहते हैं ? इस काल की प्रमुख विशेषताएँ लिखिए ।

21. हिन्दी कहानी का जन्म कब हुआ ? प्रमुख हिन्दी कहानीकारों का उल्लेख कीजिए ।

अथवा

मुंशी प्रेमचंद के उपन्यासों का उल्लेख करते हुए उनके उपन्यासों की प्रमुख विशेषताएँ लिखिए ।

22. छायावादी प्रमुख कवियों का उल्लेख करते हुए छायावाद की विशेषताएँ लिखिए ।

अथवा

संस्मरण एवं जीवनी में अन्तर स्पष्ट कीजिए ।

23. प्रतीप अलंकार को परिभाषित करते हुए उदाहरण लिखिए ।

अथवा

व्यतिरेक अलंकार को उदाहरण सहित समझाइए ।

खण्ड – द (SECTION – D)

प्रश्न संख्या **24** से **25** तक प्रश्नों के उत्तर लगभग **80** शब्दों में लिखिए : **2 × 5 = 10**

24. निम्नलिखित गद्यांशों में से किसी **एक** गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

फिर मैं उनके साथ इधर–उधर की बातें ले बैठा । राजनीति राष्ट्र की ही नहीं होती, मुहल्ले में भी राजनीति होती है । यह भार स्त्रियों पर टिकता है । कहाँ क्या हुआ, क्या होना चाहिए, इत्यादि चर्चा स्त्रियों को लेकर रंग फैलाती है । इसी प्रकार की कुछ बातें हुईं, फिर छोटा सा बक्सा सरकाकर बोली, इसमें वे कागज हैं जो तुमने माँगे थे और यहाँ ...... यह कहकर अपनी बास्कट की जेब से हाथ डालकर पाजेब निकालकर सामने की, जैसे सामने बिच्छू हो । मैं भयभीत भाव से कह उठा कि यह क्या ?

OFFICE COPY

अथवा

मैं गया को लेकर डाक बंगले पर आया और मोटर में बैठकर दोनों मैदान की ओर चले । साथ में एक कुल्हाड़ी ले ली । मैं गम्भीर भाव धारण किए हुए था, लेकिन गया इसे अभी तक मजाक ही समझ रहा था । फिर भी उसके मुख पर उत्सुकता या आनन्द का कोई चिह्न न था । शायद वह हम दोनों में जो अन्तर हो गया था, वही सोचने में मगन था । मैंने पूछा – तुम्हें कभी हमारी याद आती थी गया ? सच कहना । गया झेंपता हुआ बोला – मैं आपको याद करता हुजूर किस लायक हूँ । भाग में आपके साथ कुछ दिन खेलना बदा था, नहीं मेरी क्या गिनती ?

25. निम्नलिखित पद्यांशों में से किसी एक पद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

देखा, वहाँ रिक्त स्थान, यह जप का पूर्ण समय,
आसन छोड़ना असिद्ध, भर गए नयन द्वय,
धिक् जीवन को जो पाता ही आया है विरोध,
धिक् साधन जिसके लिए सदा ही किया शोध
जानकी ! हाय उद्धार प्रिया का हो न सका,
वह एक ओर मन रहा राम का जो न थका ।

अथवा

न्याय शान्ति का प्रथम न्यास है,
जब तक न्याय न आता,
जैसा भी हो, महल शान्ति का
सुदृढ़ नहीं रह पाता !
कृत्रिम शान्ति सशंक आप
अपने से ही डरती है,
खड्ग छोड़ विश्वास किसी का
कभी नहीं करती है ।

OFFICE COPY

खण्ड – य (SECTION – E)

प्रश्न संख्या **26** से **28** तक प्रश्नों के उत्तर लगभग **80** शब्दों में लिखिए : **3 × 6 = 18**

26. "गुल्ली-डंडा कहानी बड़े कौशल से इस सच्चाई को चरितार्थ करती है कि पद और प्रतिष्ठा, मनुष्य-मनुष्य के बीच के नैसर्गिक सम्बन्ध को समाप्त कर देती है ।" कैसे ? स्पष्ट कीजिए ।

अथवा

"जो जितना अनासक्त हो सकता है, वह उतना ही अधिक समाज के लिए योगदान दे सकता है ।" 'शिरीष के फूल' नामक पाठ के आधार पर कथन की पुष्टि कीजिए ।

अथवा

"मुझे तो उसकी कथा आँसू भरी दृष्टि की छाया में काँपते हुए दुःख गीत की एक कड़ी सी लगती रही है ।" महादेवी वर्मा ने 'आलोपी' नामक संस्मरण में ऐसा क्यों कहा ? स्पष्ट कीजिए ।

27. कबीर के अनुसार ज्ञान रूपी आँधी के आगमन से मनुष्य जीवन में क्या–क्या परिवर्तन आ जाते हैं ?

अथवा

"रहीम के दोहे जीवन की पाठशाला हैं।" कैसे ? स्पष्ट कीजिए।

अथवा

सुमित्रानंदन पंत ने 'भारत–माता' कविता में भारत की किस दशा का वर्णन किया है ?

28. 'गेहूँ बनाम गुलाब' नामक निबंध भौतिकता पर मानसिक आनंद की विजय की ओर प्रेरित करता है, कैसे ? स्पष्ट कीजिए।

अथवा

'निर्वासित' कहानी की मूल संवेदना को स्पष्ट कीजिए।

अथवा

"बिना संस्कृति के जन की कल्पना कबन्धमात्र है।" कैसे ? 'राष्ट्र का स्वरूप' नामक पाठ के आधार पर विवेचना कीजिए।

OFFICE COPY

CONFIDENTIAL